(ग) और (घ) जी हां, आदिवासियों और अन्य प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्वास पर चरणों में व्यय किया जा रहा है जो कि परियोजना के चरण-बद्ध निर्माण के साथ-साथ किया जा रहा है।

Mobile dispensaries in the rural areas

*69. SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government propose to assist the State Governments in running mobile dispensaries in the rural areas; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI MOTI LAL VORA): (a) No, Sir.

(a) No sir.

(b) Does not arise.

कुष्ठरोगी

*70. **श्री अजीत जोगी** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कुष्ठ रोग का प्रकोप बढता जा रहा है तथा कुष्ठ-रोगियों की संख्या जो 1970 में 25 लाख थी अब बढ़ कर 42 लाख हो गयी है;

(ख) क्या सरकार कुष्ठ रोगियों की संख्या में हो रही वृद्धि पर नियंत्रण पाने में असफल रही है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) कुष्ठ-रोगियों की संख्या पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे है ; और

(घ) सरकार कुष्ठ-रोगियों के उचित पुनर्वास के लिए क्या कदम उठा रही है और क्या सरकार इस प्रकार उठाये गये कदमों को पर्याप्त समझती है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री मोती लाल वोरा) : (क) से (घ) नमूना सर्वेक्षण के आधार पर कुष्ठ की अनुमानित व्याप्तता दर 1961 में 0.58 प्रतिशत, 1971 में 0.58 प्रतिशत और 1981 में 0.57 प्रतिशत थी । इस प्रकार इसके रोगियों की अनुमानित संख्या 1961 में 26 लाख, 1971 में 32 लाख और 1981 में 39 लाख थी ।

कुष्ठ-रोगियों में वृद्धि को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं :—

1. रोग का आरम्भ में ही पता लगाना और नियमित उपचार प्रदान करना ।
2. स्थानिकमारी वाले जिलों में चरणबद्ध ढंग से बहु-औषध उपचार उपलब्ध करना ।
3. विभिन्न वर्गों के कुष्ठ कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 45 कुष्ठ प्रशिक्षण केन्द्र खोले गए हैं जिनमें 14 स्वैच्छिक क्षेत्र में हैं ।
4. स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियों में तेजी लाना ।
5. कुष्ठ-रोगियों के सर्वेक्षण, शिक्षा, उपचार और पुनःस्थापन में स्वैच्छिक संगठनों का सक्रिय सहयोग प्राप्त करना ।
6. ठीक हो चुके कुष्ठ रोगियों के पुनः-स्थापन के लिए कुष्ठ पुनःस्थापन इकाइयों की स्थापना ।
7. कुष्ठ रोगियों को औषधों की निःशुल्क सप्लाई ।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत रोग मुक्त हो चुके रोगियों के व्यावसायिक पुनः-स्थापन के लिए विभिन्न राज्यों में 13 कुष्ठ पुनःस्थापन संवर्धन यूनिटें खोली गई हैं । इसके इलावा कल्याण मंत्रालय द्वारा शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनःस्थापन के लिए "अपंग व्यक्तियों के संगठन को सहायता देने की योजना" चलाई जा रही है । शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों तथा स्वस्थ हो चुके रोगियों को इस योजना के अंतर्गत सुविधाएं प्रदान की जाती हैं ।